

This question paper contains 1 printed page.

December, 2021

Roll No.	:	
Unique Paper Code	:	121302301
Name of the Paper	:	ऋग्वेद, बृहदेवता एवं पाणिनीयशिक्षा Rgveda, Brihaddevata and Paniniyashiksha
Name of the Course	:	M.A. (Sanskrit), EC
Scheme	:	LOCF
Semester	:	III
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	70

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 3 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके एकल पीडीएफ बनाकर प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.
 3. The **4 questions** to be completed in 3 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and make single pdf the uploaded on specific portal.
1. ऋग्वेद के इन्द्र सूक्त का स्वरूप निरूपित कीजिए।
Describe the nature of Indrasukta of Rigveda.
 2. ऋग्वेद के सप्तम मण्डल के उषस् सूक्त के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
Highlight the significance of Ushas Sukta of seventh mandal of the Rigveda.
 3. विश्वे देवाः सूक्त के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
Discuss the importance of Vishvedevah Sukta.
 4. ऋग्वेद के सरस्वती सूक्त का स्वरूप निरूपित कीजिए।
Describe the nature of Mandukasukta of Rigveda.
 5. आचार्य शौनक के अग्नि परक चिन्तन की समीक्षा कीजिए।
Critically analyze thinking about Agni by Acharya Saunaka.
 6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।
Write notes on any **two** of the following.
वेदांगपुरुष, प्रयत्न, वैदिकस्वर